सं .12015/13/2011-रा.भा.(तक)
भारत सरकार
गृह मंत्रालय
राजभाषा विभाग

लोक नायक भवन,
नई दिल्ली, दिनांक : 17 फरवरी, 2012

प्रेषक – ए.एन.पी. सिन्हा,
सचिव ।
सेवा में – मुख्य सचिव,
सभी राज्य/यूटी (UT) सरकार ।

विषय : राज्य की भाषा (राजभाषा) में कंप्यूटरों पर कार्य करना ।

महोदय,

सरकारी कार्यों में सामान्यत: अभी की प्रवृति अंग्रेजी की तरफ है । कंप्यूटरों के माध्यम से राज्य की राजभाषा में कार्य करने में राजभाषा को प्रोत्साहन मिलेगा । इस प्रसंग में निम्न कारवाई अपेक्षित होगी ।

यूनिकोड एनकोडिंग

2 राज्य की राजभाषा में कार्य करने में एक गंभीर समस्या है, विभिन्न सॉफ्टवेयरों में प्रयुक्त (used) फौन्टस का कम्पैटिबल (compatible) न होना । इस कारण राजभाषा की फाइलों को, अंग्रेजी की तरह आसानी से एक कंप्यूटर से दूसरे कंप्यूटर पर, आदान-प्रदान (transfer) नहीं कर पाते हैं । राजभाषा पाठ (text) को दूसरे सॉफ्टवेयर में जोड़ने (paste) करने में भी समस्या आती है । अत: भारत सरकार ने यूनिकोड एनकोडिंग को मान्यता दी है जो अंतर्राष्ट्रीय मानक है । इससे हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं में कंप्यूटर पर अंग्रेजी की तरह ही सरलता से सभी कार्य किये जा सकते हैं, जैसे – वर्ड प्रोसेसिंग, डाटा प्रोसेसिंग, ई-मेल, वेबसाइट निर्माण आदि । राजभाषा में बनी फाइलों का आसानी से आदान प्रदान तथा राजभाषा की-वर्ड पर गूगल या किसी अन्य सर्च इंजन में सर्च कर सकते हैं ।

3 अत: केवल यूनिकोड कम्प्लाएन्ट फौन्टस प्रयोग करें एवं यूनिकोड के अनुरूप सॉफ्टवेयर का ही प्रयोग करें । यूनिकोड को install/use करना बहुत आसान है । इसकी जानकारी राजभाषा विभाग की साइट (http://rajbhasha.gov.in) पर उपलब्ध है।

इंस्क्रिप्ट की-बोर्ड

4. कंप्यूटरों पर राजभाषा में कार्य करने के लिए तीन की-बोर्ड विकल्प हैं – रेमिंग्टन, इंस्क्रिप्ट तथा फोनेटिक । हालांकि अभी तक रेमिंग्टन की-बोर्ड पूर्व से प्रचलित होने के कारण (popular) है, तुलना में

इंस्क्रिप्ट में टंकण सीखना बहुत आसान है । इंस्क्रिप्ट ले-आउट भारत सरकार का मानक होने की वजह से सभी ऑपरेटिंग सिस्टम में डिफाल्ट में, यानि पहले से मौजूद रहता है । साथ ही किसी भी एक भाषा में इंस्क्रिप्ट की-बोर्ड सीखने पर, सभी भारतीय भाषाओं में आसानी से टंकण कर सकते हैं । अत: मात्र रेमिंग्टन की-बोर्ड पर प्रशिक्षित पुराने कर्मचारी, जिनका सेवाकाल केवल 2 वर्ष बचा हो, रेमिंग्टन में टंकण करें । शेष सभी इंस्क्रिप्ट का ही प्रयोग करें । (http://ildc.in) पर इंस्क्रिप्ट सीखने के लिए ट्यूटर उपलब्ध है ।

5. सभी कंप्यूटरों के साथ केवल द्विभाषी की-बोर्ड की ही खरीद की जाए, जिसमें इंस्क्रिप्ट की-बोर्ड ले-आउट अवश्य हो ।

6. उल्लेखनीय है कि फोनेटिक की-बोर्ड में, हिंदी टंकण से अनभिज्ञ अधिकारी, रोमन स्क्रिप्ट का उपयोग करते हुए, हिंदी में आसानी से टंकण कर सकते हैं ।

द्विभाषी सॉफ्टवेटर एवं वेबसाइट

7. सॉफ्टवेयर खरीदते या विकसित करवाते समय यह सुनिश्चित करें कि अपरिहार्य परिस्थितियों को छोड़कर, उसमें राजभाषा में कार्य करने की पूर्ण सुविधा हो।

लीला सॉफ्टवेयर (हिंदी स्वयं-शिक्षण)

8. इंटरनेट पर लीला (LILA-LEARN Indian Languages through Artificial Intelligence) हिंदी स्वयं-शिक्षण पैकेज कई भाषाओं (अंग्रेजी, कन्नड़, मलयालम, तमिल, तेलुगु, बंगला, असमी, उड़िया, मणिपुरी, मराठी, पंजाबी, कश्मीरी, गुजराती, नेपाली तथा बोडो) के माध्यम से, हिंदी सीखने के लिए नि:शुल्क उपलब्ध (http;//Rajbhasha.gov.in) हैं ।

9. लीला के लिए मात्र एक मल्टीमीडिया कंप्यूटर और इंटरनेट कनैक्शन आवश्यक है। पहली बार रजिस्ट्रेशन कराना पर्याप्त है। और इंटरनेट कनैक्शन आवश्यक है। पहली बार रजिस्ट्रेशन कराना पर्याप्त है अक्षर लिखने का पाठ ग्राफिक्स के जरिये है। 'रिकार्ड एंड कंपेयर' सुविधा से प्रयोगकर्ता अपना उच्चारण मानक उच्चारण से मिलान कर सकता है। टीचर मॉड्यूल के जरिये संशोधित उत्तर प्राप्त किए जा सकते हैं। ' फ्री एवं कंट्रोल लर्निंग' का विकल्प भी है।

श्रुतलेखन - राजभाषा (हिंदी में डिक्टेशन)

10. श्रुतलेखन-राजभाषा, एक स्पीकर - इनडिपेंडेंट, हिंदी स्पीच रिकग्निशन सिस्टम है जो बोली गई भाषा (dictation) को डिजिटाईज करके इनपुट के रूप में लेता है और आउटपुट एक 'स्ट्रीम ऑफ टेक्स्ट' (यूनीकोड के अनुरूप) के रूप में देता है। हिंदी भाषी राज्य इसका प्रयोग करें एवं फीडबैक दें ।

मंत्र-राजभाषा (अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद)

11. "मंत्र-राजभाषा" की सहायता से प्रशासनिक, वित्तीय, कृषि, लघु उद्योग, स्वास्थ्य सुरक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी, बैंकिंग तथा शिक्षा क्षेत्र में अंग्रेजी के परिपत्रों, आदेशों, कार्यालय ज्ञापनों, संकल्प आदि का हिंदी अनुवाद कर सकते हैं। "मंत्र-राजभाषा" इंटरनेट (http://rajbhasha.gov.in) तथा स्टैंडअलोन दोनों वर्जन में उपलब्ध है। स्टैंडअलोन वर्जन को डाउनलोड करने की सुविधा भी है।

12. प्राप्त फीडबैक के अनुसार इस पैकेज द्वारा अनुवाद का स्तर आशा के अनुरूप नहीं है। इसका एक कारण शब्दों एवं वाक्यों का व्यापक कार्पस का न होना है। अत: हिंदी भाषी राज्य इस पैकेज को इस्तेमाल करें और फीडबैक दें, ताकि मंत्र को बेहतर बनाया जा सके।

13. विकल्प में 'गूगल ट्रांसलेशन' का प्रयोग करें। 'गूगल ट्रांसलेशन' सभी तरह के अनुवाद (हिंदी, बंगला, कन्नड़, तमिल, तेलुगु, उर्दू से अंग्रेजी में एवं vice versa तेज गति से करता है। गूगल में अकाउंट बनाकर अनुवाद करने पर, गुगल अनुवादित वाक्यों को मेमोरी में ले लेता है जिससे भविष्य में समान पाठ (text) आने पर सही अनुवाद देता है।

ई-महाशब्दकोश

14. प्रशासनिक, वित्तिय एवं बैंकिंग, कृषि, उद्योग, स्वास्थ्य सुरक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी, विधि, पर्यटन तथा शिक्षा क्षेत्र के शब्दकोश (हिंदी से अंग्रेजी तथा अंग्रेजी से हिंदी) नि:शुल्क http://rajbhasha.gov.in पर उपलब्ध हैं। इसकी मुख्य विशेषताएँ हैं - अर्थ एवं संबंधित जानकारी, द्विभाषी एवं द्विआयामी उच्चारण सहित शब्दकोश, खोजे गये शब्द का उच्चारण तथा संबंधित जानकारी, यूनीकोड कंप्लायंट फौंट। हिंदी भाषी राज्य इसका उपयोग करें एवं फीडबैक दें।

राजभाषा विभाग का गुगल ग्रुप तथा फेसबुक पृष्ठ

15. उपर वर्णित IT टूल्स के प्रयोग में कठिनाई के समाधान आदि के लिए राजभाषा विभाग ने गुगल ग्रुप (http://groups.google.com/group/rajbhashavibhag-itsolution) तथा फेसबुक पेज (http://facebook.com पर 'राजभाषा विभाग') बनाया है। इनका सदस्य बनकर लाभ उठाये।

17. सभी राज्य/UT सरकारों से अनुरोध है कि उपर्युक्त के अनुसार अपने एवं अपने सम्बद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों, उपक्रमों आदि से उपरोक्त आई.टी. टूल्स का अधिक से अधिक उपयोग करायें एवं फीडबैक दें ताकि इनमें निरंतर सुधार लाया जा सके।

आपका विश्वासी

(ए.एन.पी. सिन्हा)